अर्थ, महत्त्व एवं उपयोगिता

पाठ्यपुस्तक के प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर चुने –

(i) गृह विज्ञान है –

(अ) व्यवहारिक विज्ञान
(ब) पारिवारिक विज्ञान
(स) कला विज्ञान
(द) उपरोक्त सभी

उत्तर: (द) उपरोक्त सभी।

(ii) पारिवारिक संसाधन प्रबन्धन विभाग में अध्ययन किया जाता है –

(अ) पाक-कला
(ब) फैशन डिजाइनिंग
(स) परिवार नियोजन
(द) समय, धन, ऊर्जा

उत्तर: (द) समय, धन, ऊर्जा।

(iii) पहले अखिल भारतीय महिला सम्मेलन (1932) में गृहविज्ञान को परिभाषित किया –

(अ) डॉ. ए. एच. रिचर्‌ड
(ब) डॉ. जी. सुबालक्ष्मी
(स) फलैमी पैन्सी किटरैल
(द) ब एवं स दोनों

उत्तर: (अ) डॉ. ए. एच. रिचर्ड।

(iv) निम्न में से गृहविज्ञान विभाग नहीं है –

(अ) मानव विकास व पारिवारिक सम्बन्ध
(ब) इन्जीनियर विभाग
(स) प्रसार एवं संचार प्रबन्ध

(द) वस्त्र एवं परिधान विज्ञान

उत्तर: (ब) इन्जीनियर विभाग

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए

1. गृह विज्ञान के ...... विभाग हैं।
2. मानव विकास ......से ...... तक के विकास से सम्बन्धित है।
3. गृह विज्ञान शिक्षा ......शुरू करने में भी सहायक हैं।

उत्तर:

1. पाँच
2. गर्भधारण, वृद्धावस्था
3. स्वरोजगार।

प्रश्न 3. गृह विज्ञान को परिभाषित कीजिए।

उत्तर: गृह विज्ञान (Home Science):

गृह विज्ञान को विभिन्न विद्वानों द्वारा विभिन्न प्रकार से परिभाषित किया गया है –

डॉ. ए. एच. रिचर्ड के अनुसार, "गृह विज्ञान एक बहुआयामी विषय है जो पारिवारिक आय – व्यय, भोजन की स्वच्छता, कपड़ों की पर्याप्तता, घर का उचित संसाधनों से प्रबन्धन करता है। गृह विज्ञान एक पारिवारिक विज्ञान है, जो छात्रों को सफलतापूर्वक पारिवारिक जीवन के लिए तैयार करता है और सामाजिक व आर्थिक समस्याओं को हल करने में सक्षम बनाता है।"

लेक प्लेसिड एसोसिएशन के अनुसार, "गृह विज्ञान उन सिद्धान्तों, शर्तों और आदर्शों का अध्ययन है जो एक ओर व्यक्ति के तत्काल और भौतिक वातावरण से सम्बन्धित है तो दूसरी ओर मानव प्रकृति से सम्बन्धित है।

" डॉ. राजमल पी. देवदास के अनुसार, "गृह विज्ञान मानवीय वातावरण परिवार, पोषण, संसाधनों के प्रबन्धन, मानव विकास, उपभोक्ता क्षमता को सुधारने के लिए विज्ञान और मानविकी ज्ञान के उपयोग को समाहित करता है।"

प्रश्न 4. गृह विज्ञान के उद्देश्य एवं किन्हीं दो विभागों का संक्षिप्त में वर्णन करें।

उत्तर: गृह विज्ञान के उद्देश्य-गृह विज्ञान के अध्ययन के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं –

- छात्र – छात्राओं के ज्ञान, कौशल एवं सामर्थ्य का विकास कर वैज्ञानिक सिद्धान्तों को दैनिक जीवन के व्यवहार में लाना।

- छात्र – छात्राओं में परिवार व सामुदायिक जीवन की आवश्यकताओं, समस्याओं एवं इनके समाधान के लिये समझ पैदा करना।
- छात्र – छात्राओं में उन्नत जीवन स्तर को प्राप्त करने की योग्यता एवं निपुणता को बढ़ाना।

गृह विज्ञान के विभाग –

1. मानव विकास:

मानव विकास के अन्तर्गत गर्भधारण से लेकर वृद्धावस्था तक के विकास का अध्ययन किया जाता है। इसमें शारीरिक, क्रियात्मक, भावनात्मक, भाषा, संज्ञानात्मक, नैतिक और सामाजिक विकास सम्मिलित किया जाता है।

बच्चों के व्यवहार की समस्याओं, असाधारण बच्चों, विकारों, मनुष्य के विकास में बाधक विशिष्ट समस्याओं का भी अध्ययन इसमें शामिल है। इसके अध्ययन से गृहिणी अपने बच्चों के स्वास्थ्य व विकास के विविध आयामों पर पूर्णत: नियन्त्रण रख सकती है तथा उन्हें एक स्वस्थ सामाजिक एवं उत्तरदायी नागरिक बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

2. खाद्य और पोषण:

खाद्य एवं पोषण के अन्तर्गत विभिन्न शारीरिक अवस्थाओं; जैसे-शैशवावस्था, बाल्यावस्था, किशोरावस्था, प्रसूतावस्था, धात्रीवस्था, वृद्धावस्था एवं विभिन्न रोगों की अवस्थाओं में भोजन सम्बन्धी आवश्यकताओं एवं परिवर्तनों की जानकारी प्रदान की जाती है।

इसके अन्तर्गत भोज्य-पदार्थों को संरक्षित रखने के उपाय तथा समुदाय में व्याप्त पोषण सम्बन्धी समस्याओं के विषय में भी बताया जाता है एवं इन समस्याओं को दूर करने के लिए सरकार एवं सामाजिक संस्थाओं द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न पोषाहार कार्यक्रमों की भी जानकारी दी जाती है।

प्रश्न 5. गृह विज्ञान शिक्षा का महत्त्व एवं अवधारणा पर प्रकाश डालिए।

उत्तर: गृह विज्ञान की अवधारण:

गृह विज्ञान की अवधारणा घरों के द्वारा समुदाय में सुधार लाने की प्रबल इच्छा पर आधारित है जिसको संसाधनों की व्यवस्थित व्यवस्था के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। गृह विज्ञान व्यक्ति के अच्छे व्यक्तित्व विकास में प्रमुख भूमिका निभा सकता है।

गृह विज्ञान की आधुनिक अवधारणा ऐसे घर को बनाने की है जहाँ शान्ति, समृद्धि और प्रगति प्रबल हो। एक कारक जो गृह विज्ञान की अवधारणा को प्रभावित करता है, वह है महिलाओं के मुद्दों के प्रति जागृति।

गृह विज्ञान शिक्षा का महत्त्व:

गृह विज्ञान शिक्षा सभी के लिए एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण विषय है। गृह विज्ञान शिक्षा से प्राप्त ज्ञान, समझ, कौशल, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्य लोगों को एक सन्तोषजनक व्यक्तिगत पारिवारिक एवं सामुदायिक जीवन जीने में सहायता करता है।

अन्य विषयों के विपरीत गृह विज्ञान एक व्यावहारिक विज्ञान का विषय है जिसे दैनिक जीवन में व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। व्यावाहारिक विषय के रूप में अपनी क्षमताओं को व्यक्त करने और नेतृत्व के गुणों को विकसित करने के लिए गृह विज्ञान शिक्षा विभिन्न अवसर प्रदान करती है।

गृह विज्ञान शिक्षा एक जिम्मेदार नागरिक बनाने के गुण भी विकसित करती है। गृह विज्ञान शिक्षा छात्रों को भोजन की पौष्टिकता का ज्ञान कराती है। यह परिवार की समस्याओं को सुलझाने के विभिन्न समाधानों की जानकारी प्रदान करती है।

गृह विज्ञान शिक्षा स्वरोजगार स्थापित करने में भी सहायक है। गृह विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त तकनीकी ज्ञान को छात्र व्यक्तिगत और व्यावसायिक लाभ के लिए उपयोग कर सकते हैं।

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

निम्नलिखित प्रश्नों में सही विकल्प का चयन कीजिए –

प्रश्न 1. गृह विज्ञान प्रबन्धन करता है –

(अ) व्यक्ति के स्वास्थ्य का
(ब) व्यक्ति के भोजन का
(स) बच्चों की देखभाल का
(द) इन सभी का

उत्तर: (द) इन सभी का

प्रश्न 2. प्रथम अखिल भारतीय महिला सम्मेलन हुआ –

(अ) नई दिल्ली में
(ब) अहमदाबाद में
(स) कोलकाता मे
(द) चेन्नई में

उत्तर: (अ) नई दिल्ली में

प्रश्न 3. मानव विकास में सम्मिलित किए गए हैं –

(अ) शारीरिक विकास
(ब) भावनात्मक विकास
(स) नैतिक विकास
(द) से सभी

उत्तर: (द) से सभी

प्रश्न 4. गृह विज्ञान मुख्यतः सम्बन्धित है –

(अ) विद्यालय प्रबन्धन से
(ब) गृह प्रबन्धन से
(स) व्यावसायिक प्रबन्धन से
(द) ये सभी

उत्तर: (ब) गृह प्रबन्धन से

प्रश्न 5. गृह विज्ञान के पांच विभागों में शामिल नहीं है –

(अ) खाद्य एवं पोषण
(ब) मानव विकास
(स) कृषि प्रबन्धन
(द) गृह विज्ञान प्रसार

उत्तर: (स) कृषि प्रबन्धन

रिक्त स्थान निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान भरिए –

1. विज्ञान संकाय एवं गृह विज्ञान एक ....क्षेत्र हैं।
2. गृह विज्ञान एक ....विज्ञान है।
3. समय प्रबन्धन के लिए एक अच्छी .... अत्यन्त आवश्यक है।
4. अन्य विषयों के विपरीत .... एक व्यावहारिक ज्ञान है।
5. गृह विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त तकनीकी ज्ञान को छात्र......... और ....लाभ के लिए उपयोग कर सकते हैं।

उत्तर:

1. अंत:विषयक
2. व्यावहारिक

3. समय योजना
4. गृह विज्ञान
5. व्यक्तिगत, व्यावसायिक।

सुमेलन

स्तम्भ A तथा स्तम्भ B के शब्दों को सुमेलित कीजिए –

स्तम्भ A	स्तम्भ B
1. अमेरिका	(a) गृह विज्ञान
2. भारत	(b) गृह अर्थशास्त्र
3. रिचर्ड	(c) गृह विज्ञान से कॅरियर
4. परिवार परामर्श केन्द्र	(d) अखिल भारतीय महिला सम्मेलन
5. वस्त्र विज्ञान	(e) गृह विज्ञान का विभाग

उत्तरमाला:

1. (b) गृह अर्थशास्त्र
2. (a) गृह विज्ञान
3. (d) अखिल भारतीय महिला सम्मेलन
4. (c) गृह विज्ञान से कॅरियर
5. (e) गृह विज्ञान का विभाग

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. गृह विज्ञान नाम के अनुसार मुख्यतः किससे सम्बन्धित है?

उत्तर: गृह विज्ञान मुख्यत: घर और घर में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति के स्वास्थ्य व खुशी से सम्बन्धित हैं।

प्रश्न 2. विश्व में गृह विज्ञान विषय को किन-किन नामों से जाना जाता है?

उत्तर: विश्व में गृह विज्ञान विषय को गृह कला, घरेलू विज्ञान, घरेलू कला, घरेलू अर्थशास्त्र, घरेलू प्रशासन तथा गृह विज्ञान नामों से जाना जाता है।

प्रश्न 3. वर्मा (2) द्वारा प्रस्तुत गृह विज्ञान की परिभाषा लिखिए।

उत्तर: वर्मा (2) के अनुसार गृह विज्ञान विषय विभिन्न क्षेत्रों के वैज्ञानिक एवं प्रायोगिक ज्ञान के समायोजन पर केन्द्रित है, ताकि व्यक्ति, परिवार समुदाय एवं राष्ट्र का विकास हो सके।

प्रश्न 4. गृह विज्ञान की शिक्षा आज किस आधार पर दी जाती है?

उत्तर: आज के वैज्ञानिक और प्रगतिशील युग में गृह विज्ञान की शिक्षा वैज्ञानिक आधार पर दी जाती है।

प्रश्न 5. गृह विज्ञान की आधुनिक अवधारणा कैसे घर बनाने की है?

उत्तर: गृह विज्ञान की आधुनिक अवधारणा ऐसे घर को बनाने की है जहाँ शान्ति, समृद्धि और प्रगति प्रबल हो।

प्रश्न 6. गृह विज्ञान की आधुनिक अवधारणा को प्रभावित करने वाला कारक क्या है?

उत्त्तर: गृह विज्ञान की आधुनिक अवधारण को प्रभावित करने वाला कारक है, महिलाओं के मुद्दों के प्रति जागृति।

प्रश्न 7. आधुनिक गृह विज्ञान किसके लिए बराबर अवसर प्रदान करता है?

उत्तर: आधुनिक गृह विज्ञान दोनों लिगों (बालक एवं बालिकाओं) के लिए बराबर अवसर प्रदान करता है।

प्रश्न 8. गृह विज्ञान के खाद्य एवं पोषण विभाग की क्या उपयोगिता है?

उत्तर: यह समुदाय में व्याप्त पोषण सम्बन्धी समस्याओं और विभिन्न पोषाहार कार्यक्रमों की जानकारी देता है।

प्रश्न 9. खाद्य सुरक्षा गृह विज्ञान के किस विभाग से सम्बन्धित है?

उत्तर: खाद्य सुरक्षा गृह विज्ञान के पारिवारिक संसाधन प्रबन्धन विभाग से संबंधित है।

प्रश्न 10. किसके अध्ययन से हमें पोषण सम्बन्धी समस्याओं का ज्ञान हो जाता है?

उत्तर: गृह विज्ञान विषय के अध्ययन से हमें पोषण संबंधी समस्याओं का ज्ञान हो जाता है।

प्रश्न 11. गृह विज्ञान के अध्ययन से स्थापित किए जा सकने वाले स्वरोजगारों के नाम लिखिए।

उत्तर:

- फैशन डिजाइनिंग
- सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र।

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. गृह विज्ञान से आप क्या समझते हैं?

उत्तर: गृह विज्ञान नाम से ही ज्ञात हो जाता है कि यह घर और घर के प्रत्येक सदस्य के स्वास्थ्य व खुशी से सम्बन्धित विषय है। गृह विज्ञान और विज्ञान संकाय एक अन्त:विषयक क्षेत्र है जो छात्रों को स्वयं को विकसित करने के लिए व्यावसायिक और कॅरियर के विकल्प प्रदान करता है।

यह एक बहुआयामी क्षेत्र होने के कारण विभिन्न लेखको, चिकित्सकों और शोधकर्ताओं द्वारा व्यापक रूप से परिभाषित किया गया है। सरल शब्दों में, गृह विज्ञान एक बहुविषयक क्षेत्र का अध्ययन है जो स्वास्थ्य, भोजन की देखभाल, वस्त्र-परिधान डिजाइन और संसाधन प्रबन्धन के साथ घर से सम्बन्धित अन्य विषयों का प्रबन्धन करता है।

प्रश्न 2. गृह विज्ञान के पाँच विभागों / क्षेत्रों के नाम लिखिए।

उत्तर: गृह विज्ञान के पाँच विभाग क्षेत्र निम्नलिखित हैं –

- मानव विकास
- पारिवारिक संसाधन प्रबन्धन
- खाद्य और पोषण
- वस्त्र विज्ञान
- गृह विज्ञान प्रसार एवं संचार प्रबन्धन।

प्रश्न 3. गृह विज्ञान में वस्त्र विज्ञान का क्या महत्त्व है?

उत्तर: वस्त्र विज्ञान, गृह विज्ञान का एक विभाग है, जिसके अन्तर्गत छात्र-छात्राएँ वस्त्रों में निहित रेशों, उनसे बने धागों व वस्त्रों की बुनाई, बनावट व विशेषताओं का अध्ययन करते हैं। परिधान के बुनियादी सिद्धान्तों, डिजाइन और निर्माण को भी इसमें सिखाया जाता है।

प्रश्न 4. गृह विज्ञान के विभाग गृह विज्ञान प्रसार एवं संचार प्रबन्धन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तर: गृह विज्ञान प्रसार एवं संचार प्रबन्धन-प्रसार शिक्षा में कार्यक्रम नियोजन के मूल सिद्धान्त दृश्य-श्रव्य सामग्री का निर्माण, सामाजिक कार्य, समाज के विकास व संवाद के विभिन्न तरीके शामिल किए गये हैं।

प्रसार शिक्षा में गृह विज्ञान के विविध विषयों से प्राप्त शिक्षा को ग्रामीण समुदाय की आवश्यकतानुसार उन्हें वह ज्ञान उपलब्ध कराना भी प्रसार शिक्षा का उद्देश्य है।

निबन्धात्मक प्रश्न

प्रश्न 1. पारिवारिक संसाधन प्रबन्धन से आप क्या समझते हैं? समझाइए।

अथवा

गृह विज्ञान के पारिवारिक संसाधन प्रबन्धन क्षेत्र को समझाइए।

उत्तर: पारिवारिक संसाधन प्रबन्धन (Family Resource Management):

पारिवारिक संसाधन प्रबन्धन के अन्तर्गत समय, धन, ऊर्जा और स्थान प्रबन्धन अध्ययन के लिए प्रमुख विषय हैं। समय प्रबन्धन के लिए एक अच्छी समय योजना तैयार करना अत्यन्त आवश्यक है।

धन के प्रबन्धन के लिए संसाधनों का समुचित उपयोग किया जाना, अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है, जिसे परिवार में होने वाले व्यय का बजट बनाकर पूरा किया जाता है।

इस विषय के अध्ययन से व्यक्ति अपने सीमित समय, श्रम, धन एवं आस-पास मौजूद अन्य संसाधनों का अधिकतम उपयोग अपने परिवार एवं घर की समुचित देख-भाल, सजावट तथा आस-पास के पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए कर सकता है।

उपभोक्ता शिक्षा को भी इस विषय के अन्तर्गत शामिल किया गया है। इसके अलावा खाद्य सुरक्षा, मिलावट के विरुद्ध सुरक्षा, स्वास्थ्य खतरों (Health hazards) और उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के बारे में जानकारी उपलब्ध कराना, डिजाइन और कला के प्रमुख सिद्धान्तों और बुनियादी बातें भी इस क्षेत्र में शामिल किए गए हैं।

प्रश्न 2. गृह विज्ञान का विस्तार समझाइए।

अथवा

गृह विज्ञान का विषय क्षेत्र / उपयोगिता लिखिए।

उत्तर: गृह विज्ञान का विषय क्षेत्र / उपयोगिता:

गृह विज्ञान शिक्षा ने शिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में एक प्रमुख रोजगार क्षेत्र के रूप में स्वयं को कायम रखा है।

नर्सरी स्कूल, परिवार नियोजन एजेंसियों, परिवार परामर्श केन्द्रों पूर्व प्राथमिक शिक्षा प्रशिक्षण केन्द्रों, कृषि अनुसंधान केन्द्रों, समाज कल्याण विभाग, यूनिसेफ (UNICEF), एफ ए.ओ. (FAO), केअर (CARE) आदि ऐसे क्षेत्र हैं, जहाँ गृह विज्ञान स्नातक और स्नातकोत्तर छात्र उपयुक्त स्थान एवं रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

पोषण सलाहकार, आहार विशेषज्ञ (Dietitian), खाद्य विशेषज्ञों और राष्ट्रीय पोषण संस्थान आदि अन्य कॅरियर के अवसरों में से कुछ हैं।

इसके साथ ही गृह विज्ञान स्वरोजगार के अवसरों के लिए अधिक सम्भावनाएँ प्रदान करता है।

फैशन डिजाइनिंग, सिलाई केन्द्र, नर्सरी स्कूल, खिलौना उद्योग में सलाहकार, केटरिंग यूनिट, परिवार परामर्श केन्द्र, खाद्य प्रसंस्करण केन्द्र आदि ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ गृह विज्ञान स्नातक स्वरोजगार तलाश कर सकते हैं।